पति / पत्नी — प्रभु आपको किन परिस्थितियों में आपका
जीवनसाथी दिखाएँगे?

मैं आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह के महान नाम में प्रणाम करता हूँ। आइए हम परमेश्वर के वचन से सीखें ताकि हमें इस संसार में सही प्रकार से जीवन जीने के लिए सच्चा ज्ञान मिले।

आज हम उन परिस्थितियों के बारे में जानेंगे जिनमें यदि आप बने रहें, तो परमेश्वर आपको वही सही पति या पत्नी दिखाएँगे, जिसे उन्होंने बहुत पहले से आपके लिए चुना है।

दुनिया के तरीकों के विपरीत—जहाँ एक दुनियावी जीवनसाथी पाने के लिए स्वयं भी दुनियावी बनना पड़ता है; जैसे छोटी-छोटी कपड़े पहनना, सड़क पर आकर्षक दिखने का प्रयास करना, दुनिया के कलाकारों की तरह रहना, लगातार पार्टियों और डांस क्लबरों में जाना—ताकि लोग आपको “देखें”—
ईश्वर का तरीका इससे बिल्कुल विपरीत है।

यदि आप ऐसी दुनियावी परिस्थितियों में रहेंगे, तो दुनिया आपको वही देगी, जिसे आप वहाँ ढूँढ रहे हैं।

लेकिन आज हम ईश्वरीय परिस्थितियों के बारे में सीखेंगे। कौन-सा वातावरण ऐसा है जिसमें रहने पर परमेश्वर आपको आपका

पति / पत्नी — प्रभु आपको किन परिस्थितियों में आपका
जीवनसाथी दिखाएँगे?

जीवनसाथी दिखाएँगे?

इसके लिए हम अब्राहम के पुत्र इसहाक को देखते हैं।
यदि आप बाइबल पढ़ते हैं, तो याद होगा कि उनकी माता की मृत्यु तक इसहाक अब भी अविवाहित थे।

एक दिन जब अब्राहम ने समझा कि अब इसहाक के विवाह का समय आ गया है, उन्होंने अपने एक दास को बहुत दूर—अपने पूर्वजों के देश—में भेजा, ताकि वह वहाँ से इसहाक के लिए एक पत्नी लाए।
वह नहीं चाहते थे कि इसहाक को वही स्त्रियाँ मिलें जो उनके आसपास की नगरों में रहती थीं।

यह दिखाता है कि चाहे आप कितने ही सुन्दर युवाओं से घिरे क्यों न हों, इसका अर्थ यह नहीं कि ईश्वर द्वारा चुना गया आपका जीवनसाथी वहीं से आएगा।

जब दास इसहाक के लिए पत्नी ढूँढकर वापस लौटा, तो उस समय इसहाक की एक आदत और जीवन-शैली हमें पवित्र शास्त्र में दिखाई देती है—और यही आज की शिक्षा का केंद्र है।
पढ़िए:

उत्पत्ति 24:62–66 (हिंदी बाइबल)

पति / पत्नी — प्रभु आपको किन परिस्थितियों में आपका
जीवनसाथी दिखाएँगे?

62 “अब इसहाक बियर-लहै-रोई के मार्ग से आया; क्योंकि वह दक्षिण देश में रहता था।
63 और इसहाक सांझ के समय खेत में ध्यान करने के लिये गया; उसने आँखें उठाकर देखा, और क्या देखता है कि ऊँट आ रहे हैं।
64 और रिबका ने भी आँखें उठाईं; और जैसे ही उसने इसहाक को देखा, वह ऊँट से उतर पड़ी।
65 और दास से पूछने लगी, ‘जो मनुष्य मैदान में हमारी ओर आ रहा है वह कौन है?’ दास ने कहा, ‘वह मेरा स्वामी है।’ तब उसने अपना घूँघट लिया और अपने को ढाँप लिया।
66 और दास ने इसहाक को वह सब बातें बताईं जो उसने की थीं।”

पद 63 को फिर देखिए:

“इसहाक सांझ के समय खेत में ध्यान करने के लिये गया…”

देखिए—जैसे ही इसहाक अपने निवास-स्थान से बाहर निकले और खेत में ध्यान करने गए,
जैसे ही उन्होंने एक आदत बना ली कि अकेलेपन में, लोगों से दूर, परमेश्वर के सामने शांत होकर उनके सामर्थ्य, महानता, चमत्कारों और प्रतिज्ञाओं पर मनन करें—
उसी स्थान पर, उसी समय, उनकी पत्नी उनके पास आ रही थी। उन्होंने उसे दूर से आते हुए देखा।

पति / पत्नी — प्रभु आपको किन परिस्थितियों में आपका
जीवनसाथी दिखाएँगे?

शायद इसहाक सोचते होंगे कि उनकी पत्नी उसी नगर से आएगी जहाँ से वह आए थे—परंतु आश्चर्य! दूर देश से ऊँट आ रहे थे और उन ऊँटों पर उनकी भावी दुल्हन बैठी थी।

यह दिखाता है कि इसहाक उस समय के अन्य युवाओं की तरह नहीं थे। वे इधर-उधर घूमने के बजाय परमेश्वर पर मनन करना अधिक पसंद करते थे।

और परिणामस्वरूप, उन्हें रिबका मिली—एक स्त्री जिसके बारे में हम आज भी पढ़ते हैं। वह न केवल परमेश्वर से डरने वाली थी, बल्कि अत्यंत सुन्दर भी थी (उत्पत्ति 26:6–7).

भाई, यदि तुम एक सुन्दर और परमेश्वर-भक्त पत्नी चाहते हो, तो इसहाक की तरह बनो।
लेकिन यदि तुम एक “ईजेबेल” जैसी स्त्री चाहते हो—तो दुनियावी युवाओं की तरह जियो।

और यही बात बहनों पर भी लागू होती है:
यदि तुम सिर्फ कोई भी पुरुष चाहती हो, तो दुनियावी स्त्रियों की तरह जीओ—जो सड़क पर आधे-नग्न घूमती हैं और ईजेबेल की तरह श्रृंगार करके ध्यान आकर्षित करती हैं।
तुम वही पाओगी जिसे तुम खोज रही हो।

पति / पत्नी — प्रभु आपको किन परिस्थितियों में आपका
जीवनसाथी दिखाएँगे?

लेकिन यदि तुम परमेश्वर की योजना में ठहरो—यदि तुम परमेश्वर के साथ अधिक समय बिताओ, बजाय इधर-उधर भटकने के; यदि तुम्हारा ध्यान उसी पर केंद्रित हो—तो मैं कहता हूँ, परमेश्वर तुम्हें तुम्हारा “इसहाक” दूर से भेजेगा, जैसे रिबका ने इसहाक को दूर से आते हुए देखा।

तुम्हें अपने आप को दिखाने की कोई जरूरत नहीं है।
क्योंकि पति/पत्नी देने वाला परमेश्वर है, मनुष्य नहीं।

अपने जीवन भर बस उसी पर मनन करते रहो।

तुम विवाह करोगे—और अवश्य करोगे—यदि तुम परमेश्वर को प्रसन्न करने वाला जीवन जीते हो।
वह अपने वचन को तुम्हारे जीवन में पूरा करेगा।

दाऊद कहता है—

भजन संहिता 37:25

“मैं जवान था और अब बूढ़ा हो गया,
परन्तु मैंने धर्मी को कभी कंगाल नहीं देखा, न ही उसके वंश को रोटी माँगते।”

पति / पत्नी — प्रभु आपको किन परिस्थितियों में आपका
जीवनसाथी दिखाएँगे?

परमेश्वर अपने चुने हुओं से कोई भी उत्तम वस्तु नहीं रोकता। वह कभी नहीं चाहेगा कि एक परमेश्वर-भक्त व्यक्ति को ऐसा जीवनसाथी मिले जो उसके जीवन में दुख लाए।
यह असंभव है।

इसलिए यदि तुम अभी तक उद्धार नहीं पाए हो, तो आज ही पश्चाताप करो।
अपने जीवन की नई शुरुआत प्रभु यीशु के साथ करो।
सच्चा पश्चाताप संसार से मुँह मोड़ना है—
शैतान और उसकी सभी कृतियों, प्रलोभनों और असभ्य फैशन को त्यागना है।
परमेश्वर को “खेतों में” खोजो, चाहे लोग तुम्हें पुराना-ख्याल कहें।

ऐसा जीवन जीओ जो प्रभु को प्रसन्न करे।
और निश्चय ही, सही समय पर, वह अपने दूत को भेजेगा जो तुम्हारे लिए सही जीवनसाथी को लाएगा—
जैसे अब्राहम ने अपने दास को भेजा और इसहाक के लिए रिबका को लाया।

प्रभु तुम्हें आशीष दे।

पति / पत्नी — प्रभु आपको किन परिस्थितियों में आपका जीवनसाथी दिखाएँगे?

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp